भीष्म साहनी का साहित्य

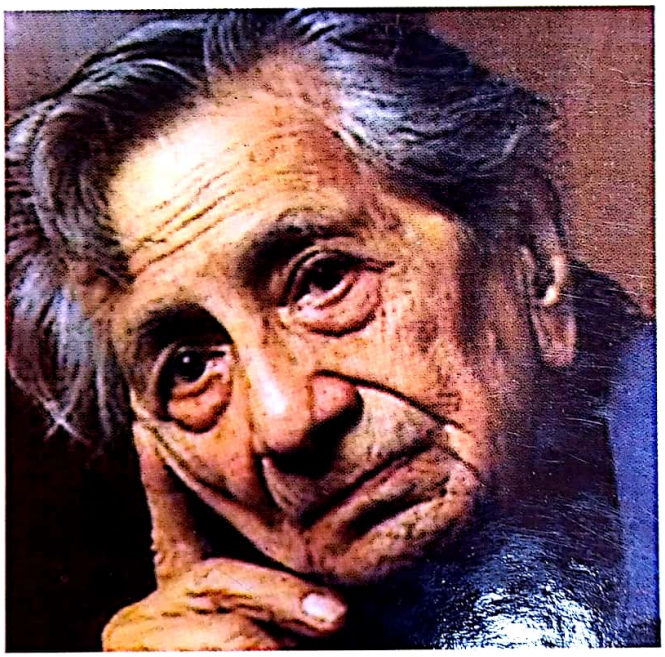

संपादक

डॉ. प्रमोद कोवप्रत

Scanned by CamScanner

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से
वित्तीय सहायता प्राप्त

ISBN : 978-81-8111-371-9

© : सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक : गोविन्द पचौरी
जवाहर पुस्तकालय
हिन्दी पुस्तक प्रकाशक एवं वितरक
सदर बाजार, मथुरा-281001 (उ.प्र.)
दूरभाष : 09897000951
ई-मेल : jawahar.pustakalaya@gmail.com

मूल्य : 495.00 (चार सौ पचानवे रुपये मात्र)

प्रथम संस्करण : 2017

आवरण : विनीत शर्मा

शब्द-संयोजन : गीता डिजाइनिंग ग्रुप, दिल्ली-110094
मो. : 09350345268, फोन : 011-22813053

मुद्रक : जय भारत प्रेस, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032

Scanned by CamScanner

अनुक्रम

खण्ड – एक

धर्म, समाज, और भारतीय राष्ट्र 13
–पंकज पराशर

सांप्रदायिकता का आईना : 'तमस' 27
–राम प्रकाश

'चीफ की दावत' : एक उत्तर आधुनिक पाठ 54
–सुधा बालकृष्णन

सांप्रदायिकता, संवाद और भीष्म साहनी का साहित्य 61
–पी. रवि

सामाजिक यथार्थ और भीष्म साहनी का उपन्यास साहित्य 68
–नामदेव एम. गौडा

विभाजन की बीभत्स मुस्कान 78
–वी.के. सुब्रमण्यन

'तमस' : वैचारिक समस्याओं का जीवंत दस्तावेज 82
–सुमा टी. रोडन्नवर

पितृ दर्द के उत्तराधुनिक आयाम 88
–पी.जे. हेरमन

साहनी जी के जीवन का यथार्थ और 'झरोखे' उपन्यास 96
–शकुंतला पाटील

मध्यवर्ग की उच्च आकांक्षाएँ : भीष्म साहनी की कहानियों में 101
–राहिना बक्कर

भीष्म साहनी की कहानियों में चित्रित मातृत्व 106
–माया. पी

भीष्म साहनी की कहानियों में चित्रित बचपन 112
–संगीता. पी

Scanned by CamScanner

सांप्रदायिकता, संवाद और भीष्म साहनी का साहित्य

–पी. रवि

'धर्म तो मनुष्य को बेहतर इंसान बनने, उसके मानवीय गुणों का विकास करने, उसे सभ्य और संस्कृत बनाने की प्रेरणा देता है, दृष्टि की विशालता देता है इनसानों को जोड़ने की, उसे दूसरों के खून का प्यासा बनाने की प्रेरणा कहाँ देता है?' (भीष्म साहनी–आज के अतीत–पृ.–292)

'तमस' के रचनाकाल में भी धर्म अपने आप में खतरनाक नहीं कहते भीष्म साहनी धर्म को गुनाहकार नहीं मानते थे। साथ ही साथ धर्म के संस्थागत रूप एवं रोमांटिक रूप का विरोध भी करते थे। स्पष्ट है कि वे असली धर्म और आचार एवं अनुष्ठानों पर आधारित धर्म के विभिन्न रूपों का एतराज करते थे। पाकिस्तान (रावलपिंडी) में जन्मे साहनी जी धर्म को राष्ट्रीयता एवं संस्कृति का आधार मानती राजनीति से बखूबी परिचित है। उनके लिए वह अनुभूत सच्चाई है, कही–सुनी बातें नहीं है। शायद उन्हें सबसे अधिक परेशान करने वाली समस्या भी सांप्रदायिकता ही है। इसलिए उनकी अधिकांश रचनायें इसका विरोध करती हैं। इसके खिलाफ प्रतिरोध खडा करती हैं।

संप्रदायिकता वर्तमान गंभीर समस्याओं में एक है। इसका एक लंबा इतिहास भी है। उपनिवेशी सत्ता ने भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन को नेस्तनाबूद करने के लिए धर्म के आधार पर पहले भारतीय समाज एवं राजनीति को और बाद में भारत को बांटने का कार्य किया। सत्ता हासिल करने के लिए और उक्त सत्ता को बनाए रखने के लिए वर्तमान स्वार्थी एवं निरंकुश राजनीति भी धर्म को राजनीति में घुलाने का कार्य करती आ रही है। बहुमत पर आधारित लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में जनादेश प्राप्त करने के लिए राजनीतिक पार्टियाँ अनैतिक एवं अमर्यादित तरीके अपना रही हैं। इस सांप्रदायिक राजनीति केन्द्र में न धर्म है और न उसके पीछे कोई आध्यात्कि पिपासा है। धर्म में अन्तर्लीन करुणा, नैतिकता और मानवता की जगह सांप्रदायिकता में क्रूरता एवं अनैतिकता है। इस तरह देखा जायें

Scanned by CamScanner

Tel: 0484 – 683574
2463583
463483
s.ac.in
2019

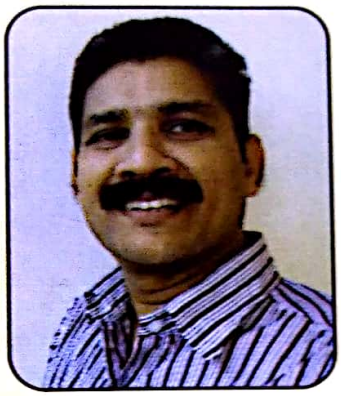

डॉ. प्रमोद कोवप्रत

जन्म : 1973, केरल के कण्णूर जिले के इरिणाव गाँव में।

शैक्षिक योग्यतायें : एम.ए. हिन्दी, एम.ए. अंग्रेजी, एम.ए. समाजशास्त्र, नेट (यू.जी.सी.), बी.एड., अनुवाद में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा, पी-एच.डी. हिन्दी।

प्रकाशित पुस्तकें : भारतीय जीवन मूल्य और ज्ञानपीठ पुरस्कृत हिन्दी कवि, समकालीन हिन्दी कविता का तापमान, शताब्दी कवि : धरती और धड़कन, हिन्दी गद्य विमर्श के नये क्षितिज।

सम्पादन : इक्कीसवीं शती के अनुवाद : दशाएँ और दिशाएँ, हिन्दी साहित्य : समय से साक्षात्कार, समकालीन हिन्दी साहित्य और नये विमर्श, काव्य चयनिका (101 समकालीन हिन्दी पारिस्थितिक कविताओं का संकलन), साहित्य का सामयिक सरोकार, हिन्दी दलित साहित्य का विकास, भीष्म साहनी का साहित्य।

पुरस्कार : केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय (भारत सरकार) का राष्ट्रीय पुरस्कार; साहित्य गौरव सम्मान, उ.प्र.; यास्क पुरस्कार, वाराणसी; हिन्दी भाषाभूषण सम्मान; अनुराग साहित्य सम्मान; राष्ट्रीय साहित्यांचल सृजन सम्मान, राजस्थान; विद्या वाचस्पति उपाधि, बिहार।

अन्य : 25 से अधिक पुस्तकों में रचना सहयोग, 100 अधिक आलेख प्रकाशित।

सम्प्रति : प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, मलाप्पुरम जिला, केरल-673635

स्थायी पता : कोवप्रत हाउस, चेनक्कल, कालिकट विश्वविद्यालय, मलाप्पुरम जिला, केरल-673635

ई-मेल : drpramodcu@gmail.com

मोबाइल : 09447887384

Scanned by CamScanner